

15/02/2021

2016
00243

पत्रावली के अन्तर्गत दिये गये अखिल भारत उद्योग परिसर
 उपखण्ड की वहीदाय का बाद पर विभाजन
 का अन्तर्गत दिये गये विभाजन गणना का निरीक्षण
 पत्रक से निरीक्षण जाकर (संलग्न पत्रावली)
 विभाजन गणना निरीक्षण पत्रक दिये जा रहे हैं।
 पत्रावली के अन्तर्गत श्रुमार होकर गणना से
 काम हो।

(श्याम सुन्दर विनोई)
 सहायक कलेक्टर एवं
 उपखण्ड अधिकारी
 चित्तौड़गढ़ (राज.)



निर्णय न्यायालय सहायक कलेक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी चित्तौड़गढ़

पीठासीन अधिकारी: श्याम सुन्दर विश्णोई आर.ए.एस.

प्रकरण संख्या: 326/2016 वाद (2016/00243)

अजवाब

- 1- बन्नीलाल पिता लेहरू जार निवासी कश्मोर तहसील व जिला चित्तौड़गढ़
- 2- गोवर्धन पिता लेहरू जार निवासी कश्मोर तहसील व जिला चित्तौड़गढ़
- वारीगण

बनाम

- 1- सीताराम पिता आगीरब जार निवासी कश्मोर तहसील व जिला चित्तौड़गढ़
- 2- हंसी बेवा आगीरब जार निवासी कश्मोर तहसील व जिला चित्तौड़गढ़
- 3- भूमिधारी तहसीलदार चित्तौड़गढ़

— प्रतिवादीगण

कार्यवाही: अन्तैगत धारा 53-188 आर.ए.एस.

उपस्थिति: 1- श्री सुरेशचन्द्र शर्मा अखिवक्ता वारीगण
2- श्री अंकारलाल कुमावत अखिवक्ता प्रतिवादीगण 1,2

निर्णय

दिनांक 15/2/2024



संक्षिप्त विवरण प्रकरण इस प्रकार है कि वारीगण ने वाद पत्र अन्तैगत धारा 53-188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 विन्ड प्रतिवादीगण इस आशय का प्रस्तुत किया कि ग्राम कश्मोर प.ह. कश्मोर तहसील चित्तौड़गढ़ के वर्तमान आराजी नम्बर 1128 रकबा 0.14 हे. वारीगण एवं प्रतिवादी संख्या 1 व 2 के संयुक्त स्वामिपारी एवं कब्जे काश्त की होकर वारीगण का 1/2 हक एवं प्रतिवादी संख्या 1 व 2 का 1/2 हक एवं हिस्सा निहित है तथा इसी अनुसार मौके पर काबिज होकर काश्त करते चले आ रहे हैं। वारीगण एवं प्रतिवादी संख्या 1 व 2 के मध्य उक्त आराजीयात का मिन्स एंड बाउंड्स अनुसार विधिवत विभाजन नहीं हुआ जिससे अपने-अपने हक हिस्से एवं लगान आराजी आदि को लेकर प्रतिवादीगण

(श्याम सुन्दर विश्णोई)
सहायक कलेक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
चित्तौड़गढ़ (राज.)

वारीगण से विवाद करते हैं। वारीगण द्वारा प्रतिवारी संख्या 1 व 2 को उम्त आराजीघात का विधिवत विभाजन कराने को कहा तो उनके द्वारा इनकार कर देने से वारीगण को विभाजन कराये जाने एवं प्रतिवारी संख्या 1 व 2 द्वारा हिस्से सम्बन्धी विवाद एवं झगडा करने से स्थायी निवेद्याता का वार पत्र वेश करना आवश्यक हो गया। अन्त में वारीगण का वार स्वीकार किया जाकर वार पत्र में अंकित आराजी का वारीगण का 1/2 एक हिस्सा विभाजित करा पुष्क-पुष्क खाता खोला जाने एवं प्रतिवारी संख्या 1 व 2 को वारीगण के विभाजित एक हिस्से के उपयोग उपयोग में किसी प्रकार की दखलबाजी न हो स्वयं करें एवं न ही किसी अन्य से कराने बावत् स्थायी निवेद्याता से पाकन्द कराये जाने बावत् निवेदन किया।

वार सुनवाई दिनांक 02/5/2018 को वारीगण का वार पत्र स्वीकार किया जाकर प्राथमिक डिक्री किया गया कि ग्राम केशमोर की आराजी संख्या 1128 बकबा 0.14 हे० में से वारीगण का 1/2 एक हिस्सा विभाजन से पुष्क कर, शेष हिस्सा प्रतिवारीगण के यथावत रखते हुए विभाजन प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने हेतु तहसीलदार चित्तौडागढ़ को कमिश्नर नियुक्त किया गया। तहसीलदार चित्तौडागढ़ द्वारा प्राथमिक डिक्री की पालना में विभाजन प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत किए गए। प्राप्त विभाजन प्रस्ताव पर बहस अखिवक्ता उभय पक्ष सुनी गयी। प्राप्त विभाजन प्रस्ताव से पक्षकार सहमत हैं तथा प्राप्त विभाजन प्रस्ताव प्राथमिक डिक्री के अनुरूप होने से हल्ब विभाजन प्रस्ताव वारीगण का वार पत्र विभाजन का निम्नानुसार अन्तिम डिक्री किया जाता है :-

क्र.सं.	नाम खालेदार	आ.नं.	रकबा	मगण
1-	बडी 1/4 गौवर्धन 3/4 पिता लेहरू जाट सा० देह	1128 (पश्चिमी भाग)	0.05	0.13
	कौता	1	0.05	0.13



(श्याम सुन्दर विश्वाँई)
सहायक कलेक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
चित्तौडागढ़ (राज.)

2.	सीताशाम पित्त आगीरभ 4/5 हांसी पत्नी आगीरभ 1/5 सा ० देह	1128 (पूर्वभाग)	0.05	0.13
	कीटा	1	0.05	0.13
3	पूर्ववत शामिलता	1128 1127	0.04 0.07	शस्ता आ.चा.
	कीटा	2	0.11	-

उपरोक्तानुसार राजस्व रेकार्ड में अमलदरामर किया जावे। विभाजन प्रस्ताव के साथ नक्शा ट्रेस डिफ़ी का पारि रहेगा। प्रतिवारी संख्या 1 व 2 को जरूर स्थायी निवेद्याज्ञा से इस कदर पाबन्द किया जाता है कि वारीगन के हक हिलसे के उपयोग उपयोग में किसी प्रकार की दरखलवाजी न तो स्वयं करें न ही किसी अन्य से करावे। निर्णयानुसार डिफ़ी जारी हो।

निर्णय लिखवाया जाकर सरे इजलास आज रिकार्ड 15/02/2021 को सुनाया गया।



(श्याम सुन्दर बिश्नोई)
 सहायक कलेक्टर एवं
 उपखण्ड अधिकारी
 चित्तौड़गढ़ (राज.)

मूल वाद मे डिक्री

(आदेश 2 नियम 6,7 जा.दी)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी एवं सहायक कलक्टर चित्तौड़गढ़ बईजलास
श्री श्याम सुन्दर बिश्नोई उपखण्ड अधिकारी एवं सहायक कलक्टर चित्तौड़गढ़

1. बद्रीलाल पिता लेहरू जाट निवासी कश्मोर तहसील व जिला चित्तौड़गढ़
2. गोवर्धन पिता लेहरू जाट निवासी कश्मोर तहसील व जिला चित्तौड़गढ़

—वादी

बनाम

1. सीताराम पिता भागीरथ जाट निवासी कश्मोर तहसील व जिला चित्तौड़गढ़
2. हांसी बेवा भागीरथ जाट निवासी कश्मोर तहसील व जिला चित्तौड़गढ़
3. भूमिधारी तहसीलदार चित्तौड़गढ़

—प्रतिवादी

प्र.सं. 326 / 2016 (जी.सी.एम.एस.न. 2016 / 00243)

वादपत्र अर्न्तगत धारा 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955

वादी की ओर से वकील श्री सुरेशचन्द्र शर्मा की, और प्रतिवादी की ओर से वकील श्री औकारं लाल कुमावत की उपस्थिति मे यह वाद आज दिनांक को अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अन्तिम निपटारे के लिए पेश होने पर आदेश दिया जाता है और आदेश डिक्री दी जाती है कि वादी का वाद पत्र हस्ब विभाजन प्रस्ताव वादीगण का वाद पत्र विभाजन का निम्नानुसार अन्तिम डिक्री किया जाता है :-

क्र.सं.	नाम खातेदार	आ. न.	रकबा	लगान
1	बद्री 1/4 गोवर्धन 3/4 पिता लेहरू जाट सा. देह	1128(पश्चिमी भाग)	0.05	0.13
	कीता	1	0.05	0.13
2	सीताराम पिता भागीरथ 4/5 हांसी पत्नि भागीरथ 1/5 सा. देह	1128(पूर्वीभाग)	0.05	0.13
	कीता	1	0.05	0.13
3	पूर्ववत शामलात	1128 1127	0.04 0.07	रास्ता आ.चा.
	कीता	2	0.11	—

उपरोक्तानुसार राजस्व रेकार्ड मे अमलदरामद किया जावै। विभाजन प्रस्ताव के साथ नक्शा ट्रेस डिक्री का पार्ट रहेगा। प्रतिवादी संख्या 1 व 2 को जरिए

.....लगातार

स्थायी निषेधाज्ञा से इस कदर पाबन्द किया जाता है कि वादीगण के हक हिस्से के उपयोग उपभोग में किसी प्रकार की दखलन्दाजी न तो स्वयं करें न ही किसी अन्य से करावे।

इस वाद के खर्च - प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज सहित द्वारा - को दी जावे। यह आज दिनांक 15.02.2021 को मेरे हस्ताक्षर से और मुहर अदालत से जारी की गई।



(श्याम सुन्दर विष्णोई)
सहायक कलेक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
चित्तौड़गढ़ (उ.प्र.)